अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 29 जनवरी 2024
माघ कृष्ण-चतुर्थी
विक्रम संवत-2080

PAGE NO. 6 MIDDLE

पितामह चाहते तो नहीं होता महाभारत का युद्ध

रिद्धिमा में 'क्यों पितामह' नाटक का मंचन करते कलाकार। स्रोत : संस्था

बरेली। रिद्धिमा में रविवार की शाम नाटक 'क्यूं पितामह का मंचन किया गया। डॉक्टर प्रभाकर गुप्ता लिखित और विनायक श्रीवास्तव निर्देशित यह नाटक महाभारत के अमर पात्र देवव्रत यानी भीष्म पितामह पर केंद्रित रहा।

नाटक का आरंभ शांतनु की पत्नी गंगा अपने सात पुत्रों को ऋषि वशिष्ठ के श्राप के कारण नदी प्रवाहित करने से होता है। आठवें पुत्र को प्रवाहित करते समय गंगा को शांतनु रोक देता है। शांतनु के रोकने के कारण गंगा अपने पुत्र को लेकर वापस चली जाती है और सोलह वर्ष पश्चात बेटे को वापस करने का वचन देती हैं। उसका नाम देवव्रत रखती हैं। इसी ताने-बाने पर नाटक यह सवाल उठाता हुआ समाप्त होता है कि यदि भीष्म पितामह चाहते तो महाभारत के भीषण युद्ध को रोका जा सकता था। नाटक में कशिश सिंह, शिवम यादव, मनोज शर्मा, सूर्यप्रकाश, फरदीन हुसैन, मानेश यादव, रिया यादव, अक्सा खान, आशुतोष, अंशुल, शौकत रावत, प्रमुख भूमिका में रहे। नाटक में उमेश सूर्या ने संगीत दिया। संवाद